NT>

Title: Need to give financial assitance to the State Government of Uttar Pradesh to help reduce the pollution level in the city of Kanpur.

श्री श्रीप्रकाश जायसवाल (कानपुर) : अध्यक्ष महोदय, मैं सदन का ध्यान एक बहुत ही गंभीर समस्या की ओर आकर्ति करना चाहता हूं।â€¦(व्यवधान) केन्द्रीय प्र ादूण नियंत्रण बोर्ड ने गवर्नमैंट को एक अध्ययन रिपोर्ट सबमिट की है जिसमें कानपुर शहर को देश का सर्वाधिक प्रदूति शहर घोति किया गया है। बोर्ड ने जनवरी से अप्रैल 2002 के बीच एकत्र किए गए आंकड़ों के अनुसार बताया है कि इस शहर में हवा में आरएसपीएम का स्तर 119 माइक्रोग्राम से लेकर 257 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर तक पाया गया जबकि सबसे कम चेन्नई में इसकी मात्रा 25 से 49 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर रही है।

इस संबंध में मैंने कई बार लोक सभा में यह आवाज उठाई है। कानपुर शहर की गंदगी और प्रदूाण का सबसे बड़ा कारण है कि वहां पिछले 30-40 सालों में किसी भी तरीके की आर्थिक मदद न केन्द्र सरकार ने की है न ही राज्य सरकार ने की है।

आज स्थिति यह है कि गंगा बैराज, जो कि 20 साल पहले सैंक्शन हुआ था, वह भी इस तरीके से बन रहा है, जैसे नौ दिन चले अढाई कोस।

MR. SPEAKER: Please keep silence in the House.

श्री श्रीप्रकाश जायसवाल : 20 वां के बाद भी गंगा बैराज नहीं बना है, जिससे गंगा के प्रदूाण की समस्या आज भी कानपुर शहर में विद्यमान है। कानपुर शहर का पूरा का पूरा सीवर सिस्टम ध्वस्त हो चुका है। आधे शहर का सीवरेज का पानी गलियों और सड़कों पर तैरता रहता है।

तीसरा कारण यह है कि कानपुर नगर निगम को एक पैसा भी एक्स्ट्रा पैकेज, एक्स्ट्रा ग्राण्ट के रूप में न तो उत्तर प्रदेश सरकार ने दी है, न ही केन्द्र सरकार ने दी है। कानपुर सबसे ज्यादा सेल्स टैक्स देता है, सबसे ज्यादा इनकम टैक्स देता है, कानपुर सबसे ज्यादा एक्साइज ड्यूटी देता है, कानपुर टैक्स के मामले में उत्तर प्रदेश के सारे शहरों में सबसे ज्यादा पैसा देता है। लेकिन लखनऊ को पैकेज मिलेगा, इसलिए कि माननीय प्रधानमंत्री जी की वह कांस्टीट्वेंसी है, इलाहाबाद को पैकेज मिलेगा, इसलिए कि आपके मानव संसाधन विकास मंत्री की वह कांस्टीट्वेंसी है। लेकिन कानपुर को उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा शहर होने के बाद भी और सबसे ज्यादा समस्याएं होने के बाद उसे कुछ नहीं मिलेगा।

खास तौर से यह जो अध्ययन दल की रिपोर्ट आई है कि कानपुर हिन्दुस्तान का सबसे गन्दा शहर है, सबसे प्रदूति शहर है, मैं आपके माध्यम से मांग करता हूं कि यदि अब भी इस सरकार को कहीं कोई और पता लगाना हो तो एक अध्ययन दल फिर से स्थापित करे, जो कानपुर की सारी समस्याओं को देखे और किन कारणों से शहर में प्रदूाण बढ़ा हैâ€¦(व्यवधान) मैं एक मिनट और लूंगा। उन कारणों का पता लगाकर केन्द्रीय सरकार अलग से पैकेज निर्धारित करे और राज्य सरकार को निर्देशित करे कि जो शहर सबसे ज्यादा पैसा केन्द्र सरकार और राज्य सरकार को देता है, उस शहर को अलग से एक्स्ट्रा ग्राण्ट दी जाये, जिससे वहां के प्रदूाण पर नियंत्रण पाया जा सके।